भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
01.04.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 6169 का उत्तर

रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण

6169. श्री नागेश बापुराव अष्टिकर पाटिल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में यात्रियों को सीमित रेलवे संपर्क, अपर्याप्त ट्रेन ठहराव और क्षेत्रीय स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुविधाओं की कमी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त जिले में कई रेलवे स्टेशनों पर प्रतीक्षालय, पेयजल सुविधा, उचित स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली और बुजुर्गों व दिव्यांग यात्रियों के लिए पहुंच सुविधाओं जैसी पर्याप्त यात्री सुविधाओं का अभाव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को हिंगोली डेक्कन रेलवे स्टेशन तथा आसपास के स्टेशनों पर अतिरिक्त ट्रेन सेवाएँ, नए ठहराव एवं अवसंरचना उन्नयन की मांग के संबंध में जनप्रतिनिधियों, स्थानीय संगठनों एवं स्थानीय प्राधिकरणों से अभ्यावेदन/प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(घ) क्या हिंगोली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में समग्र रेलवे संपर्क और यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए सरकार द्वारा कोई सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन/प्रस्ताव किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त ज़िले में नई ट्रेन सेवाएँ शुरू करने, स्टेशनों का आधुनिकीकरण करने और यात्री सुविधाओं में सुधार हेतु सरकार द्वारा उठाए गए/प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है तथा उनके क्रियान्वयन की संभावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): हिंगोली डेक्कन 38 गाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित हैं जो अन्य बातों के साथ-साथ मुंबई, पुणे, अमृतसर, हैदराबाद, बेंगलुरु, जयपुर को संपर्कता प्रदान करती हैं। वर्तमान में,

हिंगोली डेक्कन मुंबई से 12071/12072 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) - हिंगोली डेक्कन जन शताब्दी एक्सप्रेस की दैनिक सेवा और पुणे से साप्ताह में दो दिन चलने वाली 11405/06 पुणे-अमरावती एक्सप्रेस द्वारा जुड़ा हुआ है। हिंगोली डेक्कन स्टेशन पर सेवा प्रदान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची निम्नानुसार है:

क्र.सं.	रेलगाड़ी संख्या और नाम
1.	11403 नागपुर-कोल्हापुर एक्सप्रेस
2.	11404 कोल्हापुर-नागपुर एक्सप्रेस
3.	11405 पुणे-अमरावती एक्सप्रेस
4.	11406 अमरावती-पुणे एक्सप्रेस
5.	12071 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) - हिंगोली डेक्कन एक्सप्रेस
6.	12072 हिंगोली डेक्कन-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) एक्सप्रेस
7.	12421 नांदेड़-अमृतसर एक्सप्रेस
8.	12422 अमृतसर-नांदेड़ एक्सप्रेस
9.	12439 नांदेड़-श्री गंगानगर एक्सप्रेस
10.	12440 श्री गंगानगर-नांदेड़ एक्सप्रेस
11.	12485 नांदेड़-श्री गंगानगर एक्सप्रेस
12.	12486 श्री गंगानगर-नांदेड़ एक्सप्रेस
13.	12719 जयपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस
14.	12720 हैदराबाद-जयपुर एक्सप्रेस
15.	12751 नांदेड़-जम्मू तवी एक्सप्रेस
16.	12752 जम्मू तवी-नांदेड़ एक्सप्रेस
17.	12765 तिरुपति-अमरावती एक्सप्रेस

18.	12766 अमरावती-तिरुपति एक्सप्रेस
19.	17605 काचीगुडा-भगत की कोठी एक्सप्रेस
20.	17606 भगत की कोठी-काचीगुडा एक्सप्रेस
21.	17639 काचीगुडा-अकोला एक्सप्रेस
22.	17640 अकोला-काचीगुडा एक्सप्रेस
23.	17641 काचीगुडा-नरखेड एक्सप्रेस
24.	17642 नरखेड -काचीगुडा एक्सप्रेस
25.	17683 अकोला-पूर्णा एक्सप्रेस
26.	17684 पूर्णा -अकोला एक्सप्रेस
27.	19301 डॉ अंबेडकर नगर - यशवंतपुर एक्सप्रेस
28.	19302 यशवंतपुर - डॉ अंबेडकर नगर एक्सप्रेस
29.	19713 जयपुर-कर्नूलु सिटी एक्सप्रेस
30.	19714 कर्नूलु सिटी-जयपुर एक्सप्रेस
31.	22709 नांदेड़-अम्ब अन्दौरा एक्सप्रेस
32.	22710 अम्ब अन्दौरा-नांदेड़ एक्सप्रेस
33.	22723 नांदेड़-श्री गंगानगर एक्सप्रेस
34.	22724 श्री गंगानगर-नांदेड़ एक्सप्रेस
35.	57655 परली वैजनाथ-अकोला पैसेंजर
36.	57656 अकोला-पूर्णा पैसेंजर
37.	77613 पूर्ण-अकोला डीएमयू
38.	77614 अकोला-परली वैजनाथ डीएमयू

इसके अलावा, रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर संसद सदस्यों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ रेलगाड़ियां शुरू करने, मौजूदा रेलगाड़ियों का विस्तार करने अथवा रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाने के लिए औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे प्रस्तावों/अनुरोधों/सुझावों का प्राप्त होना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए, ऐसे अनुरोधों का केन्द्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता है। बहरहाल, इनकी जांच की जाती है और समय-समय पर यथोचित और यथा व्यवहार्य कार्रवाई की जाती है।

इसके अलावा, नई रेल सेवाएं शुरू करना सतत प्रक्रिया है, जो निम्नलिखित विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है:

- संबंधित खंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना की उपलब्धता
- रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों की अनुरक्षण आवश्यकता
- खंड की अधिभोगिता और यातायात आवश्यकता

अमृत भारत स्टेशन:

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक आधार पर स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणों में कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार

- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था**
- **लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था**
- **प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था**
- **पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।**

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1338 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से हिंगोली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में हिमायत नगर, हिंगोली डेक्कन और किनवट स्टेशन सहित 132 स्टेशन महाराष्ट्र में स्थित हैं। महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चांदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभाजी नगर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (मध्य रेल), दादर (पश्चिम रेल), दहिसर,

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
		दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हजूर साहिब नान्देड, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड जं., मलकापुर, मनमाड जं., मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड़ जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर जं., नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़ जंक्शन, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, पाचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजीनगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्यविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

स्टेशन जहां कार्य पूरा कर लिया गया है:

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। अब तक, 19 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र के स्टेशन जहां कार्य पूरा कर लिया गया है उन स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	19	आमगाँव, बारामती, भायखला, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, हिमायत नगर, केडगाँव, लासलगाँव, लोणंद जं, माटुंगा, मुर्तिजापुर जं, नांदुरा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहाड, वडाला रोड

अन्य स्टेशनों को विकसित किए जाने के लिए गतिविधियों को भी अच्छी गति से शुरू किया गया है और कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- हिंगोली डेक्कन स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 2 के प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म सतह सुधार का कार्य पूरा हो गया है। नए स्टेशन भवन का कार्य, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार, प्लेटफॉर्म संख्या 1 की प्लेटफॉर्म सतह, लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

- किनवट स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर में सुधार का कार्य, प्लेटफॉर्म सतह, प्रतिक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, लिफ्ट, 12 मीटर पैदल पार पुल का सुधार कार्य शुरू किया गया है।

- पालघर स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 पर नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य, प्लेटफॉर्म की सतह का कार्य, नए कोपिंग ब्लॉक्स और प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर टैक्टाइल टाइल का कार्य पूरा कर लिया गया है। उपयोगिता सुविधाओं का स्थानांतरण और 12 मीटर पैदल पार पुल का काम शुरू किया गया है।

- दिवा स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पूर्वी हिस्से के पार्किंग के सुधार कार्य, नए प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म सं. 5/6 और 7/8 का प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने और सतह संबंधी कार्य, प्लेटफॉर्म सं. 7/8 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, नए शौचालय ब्लॉक, पश्चिम की ओर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कल्याण छोर और मुंबई छोर पर पैदल पार पुल में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। 6 मीटर के नए पैदल पार पुल का काम शुरू कर दिया गया है।

- मुंब्रा स्टेशन: प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, बैठने की व्यवस्था, नए शौचालय ब्लॉक, बुकिंग कार्यालय के सुधार, परिचलन क्षेत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और पैदल पार पुल के फर्श की मरम्मत का कार्य पूरा हो चुका है। स्वचालित सीढ़ियों का कार्य शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में प्रतीक्षालय, पीने के पानी की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, दिव्यांगजन सुविधाओं आदि जैसी यात्री सुविधाओं की व्यवस्था सहित स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। किसी स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/यातायात प्रबंधन आदि के आधार पर किया जाता है।

भारतीय रेल भारत सरकार के "सुगम्य भारत मिशन" या 'सुगम्य भारत अभियान' के तहत दिव्यांगजनों और सीमित गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए अपने रेलवे स्टेशनों को सुगम्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुपालन में, भारत के राजपत्र में "दिव्यांगजनों और सीमित गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों की सुगम्यता और सुविधाओं संबंधी दिशानिर्देश" परिपत्रित और भारत के राजपत्र अधिसूचित किए गए हैं। इन दिशानिर्देशों में दिव्यांगजनों और सीमित गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं जैसे प्रवेश रैम्प, सुगम्य पार्किंग, कम ऊंचाई वाली टिकट खिड़की/सहायता बूथ, शौचालय, पेयजल बूथ, रैम्प/लिफ्टों के साथ भूमिगत पैदल पारपथ/ऊपरी पैदल पुल, ब्रेल संकेतकों सहित मानक प्रदर्श-व्यवस्था और दृष्टि बाधित लोगों के लिए स्पर्शनीय पथ आदि का प्रावधान किया गया है जो चरणबद्ध रूप से और व्यवहार्य सिद्धांतों के आधार पर प्रदान किए जा रहे हैं।

स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन-समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत वित्तपोषित किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है और न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्य-वार। महाराष्ट्र चार रेलवे जोनों यथा मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है। इन क्षेत्रों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के

लिए 3,834 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (फरवरी, 2026 तक) 3,886 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

महाराष्ट्र में परियोजनाओं का बजट आबंटन और ब्यौरा:

अकोला-पुर्णा रेलवे लाइन पर हिंगोली एक मौजूदा रेलवे स्टेशन है। क्षेत्र में संपर्कता में सुधार के लिए, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु अकोला-पुर्णा दोहरीकरण (207 कि.मी.) के लिए सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के पश्चात्, परियोजना को स्वीकृति देने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन यथा नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजनाओं को स्वीकृत करना एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए निश्चित समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

इसके अलावा, रेल मंत्रालय ने वर्धा-नांदेड़ (284 कि.मी.) नई लाइन परियोजना का कार्य शुरू किया है जो हिंगोली जिले से होकर गुजरती है। इस परियोजना के 38 कि.मी. के वर्धा-देवली-कलंब खंड को कमीशन कर दिया गया है और शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2025-26 के लिए 310 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ मार्च, 2025 तक 3,264 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है। आवश्यक 567 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है और कार्य शुरू कर दिया गया है।

महाराष्ट्र

रेल बजट:

पिछले पांच वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली ऐसी अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रुपए/वर्ष
2025-26	23,778 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

वर्ष 2009-14 और वर्ष 2014-25 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने के कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

अवधि	कमीशन किए गए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-15	2,292 कि.मी.	208.4 कि.मी. प्रति वर्ष (3 गुना से अधिक

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 89,780 करोड़ रुपए की लागत से 5,098 किलोमीटर कुल लंबाई की 38 परियोजनाओं (11 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 25 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	11	1355	234	10504
आमान परिवर्तन	02	609	334	4286
दोहरीकरण/बहुपथन	25	3134	1792	24617
कुल	38	5,098	2,360	39,407

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी हुई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1.	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (467 कि.मी.)	4,670
2.	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 कि.मी.)	2,005
3.	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 कि.मी.)	1,512
4.	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 कि.मी.)	263
5.	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 कि.मी.)	330
6.	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 कि.मी.)	2,448
7.	मुदखेड-परभणी दोहरीकरण (81 कि.मी.)	673
8.	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 कि.मी.)	325
9.	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 कि.मी.)	261
10.	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 कि.मी.)	3,182

चालू पारियोजनाएं:

महाराष्ट्र राज्य में रेल अवसंरचना को और बेहतर बनाने के लिए निम्नलिखित कार्यों को शुरू किया गया है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1.	अहिल्यानगर (अहमदनगर) - बीड-परली वैजनाथ नई लाइन (261 कि.मी.)	4,957
2.	बारामती-लोनंद नई लाइन (64 कि.मी.)	1,844
3.	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 कि.मी.)	3,445

4.	इंदौर-मनमाड नई लाइन (360 कि.मी.)	18,529
5.	वडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 कि.मी.)	1,886
6.	जालना-जलगांव नई लाइन (174 कि.मी.)	5,804
7.	दौंड-मनमाड दोहरीकरण (236 कि.मी.)	3,037
8.	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433
9.	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 किलोमीटर)	698
10.	वर्धा-बल्हारशाह तीसरी लाइन (132 किलोमीटर)	1,385
11.	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 कि.मी.)	2,450
12.	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 कि.मी.)	3,545
13.	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 कि.मी.)	1,137
14.	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 कि.मी.)	2,574
15.	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	3,285
16.	सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद नई लाइन (95 कि.मी.)	2,933
17.	पनवेल-चौक दोहरी लाइन (17 कि.मी.)	491
18.	वर्धा- बल्हारशाह चौथी लाइन (135 कि.मी.)	2,226
19.	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,010
20.	वर्धा-भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 कि.मी.)	9,197
21.	आसनगांव-कसारा चौथी लाइन (35 कि.मी.)	794
22.	बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,324
23.	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 कि.मी.)	2,223
24.	गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण (240 कि.मी.)	4,819

मुंबई क्षेत्र में रेलगाड़ी प्रबंधन क्षमता बढ़ाना:

वर्तमान में, मुंबई क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 120 मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों और लगभग 3200 उपनगरीय गाड़ियों की संभलाई की जाती है। मुंबई क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर रेलगाड़ी प्रबंधन क्षमता बढ़ाने के लिए, निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए हैं/शुरू किए गए हैं/योजना किए गए हैं:

क्र.सं.	स्थान	ब्यौरा
1.	बांद्रा टर्मिनस	3 पिट लाइनों का कार्य पूरा कर लिया गया है
2.	मुंबई सेंट्रल	24 एलएचबी सवारी डिब्बों के लिए प्लेटफार्म का विस्तार
3.	जोगेश्वरी	2 अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म
4.	दादर	1 अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म
5.	वसई रोड	6 प्लेटफॉर्म, 3 पिट लाइनें और 5 स्टेबलिंग लाइनें
6.	पनवेल-कलम्बोली	5 प्लेटफॉर्म, 4 पिट लाइनें और 2 सिक लाइनें
7.	कल्याण	6 प्लेटफ़ॉर्म और 4 पिट लाइनें
8.	एलटीटी	4 प्लेटफ़ॉर्म और 2 पिट लाइनें
9.	परेल	6 प्लेटफ़ॉर्म, 5 पिट लाइनें, 6 स्टेबलिंग लाइनें
10.	विरार	25 स्टेबलिंग लाइनें
11.	दहाणू रोड	11 स्टेबलिंग लाइनें
12.	मीरा रोड	25 स्टेबलिंग लाइनें

प्लेटफॉर्म की लंबाई को बढ़ाना:

उपर्युक्त के अतिरिक्त, 15 डिब्बों वाली ईएमयू को समायोजित करने के लिए 34 स्टेशनों पर प्लेटफार्म विस्तार कार्य शुरू किया गया है।

क्षमता संवर्धन के लिए नई परियोजनाएं:

मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के लिए, ₹8,087 करोड़ की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-II, ₹10,947 करोड़ की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-III और ₹33,690 करोड़ की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-IIIए को स्वीकृति दी गई है। इन परियोजनाओं में मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1.	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली छठी लाइन (30 कि.मी.)	919
2.	गोरेगांव-बोरीवली से हार्बर लाइन का विस्तार (7 कि.मी.)	826
3.	विरार-दहाणू रोड तीसरी और चौथी लाइन (64 कि.मी.)	3,587
4.	सीएसएमटी-कुर्ला पांचवीं और छठी लाइन (17.5 कि.मी.)	891
5.	पनवेल-कर्जत उपनगरीय गलियारा (29.6 कि.मी.)	2,782
6.	ऐरोली-कलवा (एलिवेटेड) उपनगरीय गलियारा लिंक (3.3 कि.मी.)	476
7.	बोरीवली-विरार पांचवीं और छठी लाइन (26 कि.मी.)	2,184
8.	कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,759
9.	कल्याण-बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन (14.05 कि.मी.)	1,510
10.	कल्याण यार्ड- मेन और उपनगरीय लाइन का पृथकीकरण	866
11.	नायगांव और जूचंद्र के बीच वसई बाई पास लाइन (दोहरी लाइन)(5.73 कि.मी.)	176
12.	बदलापुर एवं करजत के बीच तीसरी और चौथी लाइन (32.46 कि.मी.)	1324
13.	आसनगांव-कसारा के बीच तीसरी लाइन (34.97 कि.मी.)	794
14.	अनधिकृत प्रवेश नियंत्रण (34 स्थान)	551

नई पीढ़ी की गाड़ियां:

यात्री वहन क्षमता बढ़ाने के लिए, ₹19,293 करोड़ की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-III और IIIए के तहत दरवाजों सहित 12 डिब्बों वाले 238 रेक स्वीकृत किए गए हैं। इन रेक की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुणे क्षेत्र के लिए क्षमता संवर्धन कार्य:

वर्तमान में, पुणे क्षेत्र में प्रतिदिन आरंभिक लगभग 33 मेल/एक्सप्रेस रेलगाडियों की संभलाई की जाती है।

पुणे क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर रेलगाड़ी क्षमता बढ़ाने के लिए, विभिन्न स्टेशनों पर निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए हैं/शुरू किए गए हैं/नियोजित किए गए हैं:

क्र.सं.	स्थान	ब्यौरा
1.	पुणे जंक्शन	6 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म और प्लेटफॉर्म 5 का विस्तार।
2.	हडपसर	रेलगाड़ियों की अधिकतम लंबाई की संभलाई के लिए 3 प्लेटफॉर्मों का विस्तार।
3.	खडकी	प्लेटफॉर्म -3/4 को ऊंचा और विस्तार करना तथा जुलाई 2025 में पूरी की गई चालू लाइनों का विस्तार।
4.	आलंदी	9 अतिरिक्त प्लेटफार्मों, 8 गर्त लाइनों और 8 स्टेबलिंग लाइनों के साथ नया कोचिंग टर्मिनल
5.	फुरसुंगी	फुरसुंगी में 5 स्टेबलिंग लाइनें

उपरोक्त के अलावा, पुणे क्षेत्र में गाड़ी परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित क्षमता वाले अतिरिक्त कार्य किए गए हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम
1.	हडपसर और घोरपड़ी यार्ड के बीच तीसरी लाइन
2.	मांजरी बुद्रुक पुणे-दौंड खंड में नया ब्लॉक स्टेशन और पुणे-सासवड सेक्शन में रामटेकडी
3.	पुणे सासवड रोड खंड में द्वि-दिशीय सिगनल प्रणाली

बुलेट ट्रेन परियोजना:

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) एकमात्र हाई स्पीड रेल परियोजना है जो निष्पादित की जा रही है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरती है और इसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बीलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों के निर्माण की योजना बनाई गई है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। सभी 1,651 उपयोगी साधनों को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब से 2021 तक परियोजना प्रभावित हुई है। महाराष्ट्र में 2022 में भूमि अधिग्रहण में तेजी आई।

अब तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	प्रगति
पाया	430 कि.मी.
गर्डर	341 कि.मी.
ट्रैक बैड	174 कि.मी.
ओएचई मास्ट	153 कि.मी.

स्टेशनों पर कार्य की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है, प्लेटफॉर्म स्लैब और छत का संरचनात्मक कार्य और फिनिशिंग का कार्य चल रहा है।
2	अहमदाबाद	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आणंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है, संरचनात्मक कार्य और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	भरूच	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	सूरत	
7	बिलिमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है और यह अंतिम चरण में है। संरचनात्मक कार्य भी शुरू कर दिया गया है।
10	विरार	

11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक भूमिगत स्टेशन है। नींव का कार्य लगभग पूरा हो गया है और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों पर कार्य की प्रगति इस प्रकार है:-

क्र.सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	उप-संरचना का कार्य पूरा कर लिया गया है, अधिसंरचना का कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
3	वात्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	12 में से 11 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है; 5 स्पैन लॉन्च कर दिए गए हैं।
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
7	ढाढर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है; 4 स्पैन लॉन्च कर दिए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है, 12 में से 10 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है।
11	मिंधोला नदी (240 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगानिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	दारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है।

23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	12 पील कैप और 11 पायों (58 में से) के कार्य पूरे कर लिए गए हैं।
24	उल्हास नदी (120 मीटर)	नींव का कार्य शुरू करने के लिए टेम्परेरी एक्सेस ब्रिज का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खाड़ी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच पूरी कर ली गई है और डिज़ाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 कि.मी. लंबी सुरंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ करने और क्षेत्रीय संपर्कता, आर्थिक वृद्धि, पर्यटन, निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने और सड़क एवं हवाई यातायात को रेल की ओर स्थानांतरित करने को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में निम्नलिखित सात नए उच्च-गति रेल गलियारे विकसित करने की घोषणा की है:-

I. मुंबई- पुणे
II. पुणे-हैदराबाद
III. हैदराबाद-बेंगलुरु
IV. हैदराबाद-चेन्नै
V. चेन्नै-बेंगलुरु
VI. दिल्ली-वाराणसी
VII. वाराणसी-सिलीगुड़ी

उच्च गति रेल गलियारे/परियोजना के अत्यधिक पूंजी-साध्य होने के कारण, किसी भी उच्च गति रेल गलियारे/परियोजना को स्वीकृत करने का निर्णय विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम और वित्तपोषण विकल्पों जैसे संसाधनों की उपलब्धता आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है।

समर्पित माल गलियारा:

पश्चिमी डीएफसी भी महाराष्ट्र से होकर गुज़रता है। पश्चिमी डीएफसी का लगभग 178 मार्ग कि.मी. महाराष्ट्र में स्थित है, जो पश्चिमी डीएफसी के कुल मार्ग का लगभग 12% है। महाराष्ट्र में न्यू घोलवड़ से न्यू वैतरना तक इस परियोजना के 76 कि.मी. मार्ग को कमीशन कर दिया गया है। शेष निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं। पश्चिमी डीएफसी को जेएनपीटी से जोड़ने से पत्तन से दिल्ली एनसीआर तक कार्गो और कंटेनर यातायात संभालने की क्षमता में संवर्धन होगा।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **प्रत्याशित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम मील कनेक्टिविटी**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/सार्वजनिक प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **समग्र निधियों की उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी मंजूरी**
- **अतिलंघी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ**
- **क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों में:

- **निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।**
- **फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।**
- **विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।**
- **शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव मंजूरी के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करना शामिल हैं।**

*****